

## Article

अंकों की दौड़ में कहीं बचपन तो नहीं खो रहा ? मार्क्स का दबाव या जीवन की तैयारी—चुनाव आपका है ।  
अंकों से नहीं, समझ से बनता है बच्चे का भविष्य ।

हर माता-पिता के दिल में अपने बच्चे को सफल देखने की इच्छा होती है। लेकिन कहीं न कहीं, सफलता को केवल अंकों, ग्रेड और प्रतिशत से आँका जाने लगा है। इस दौड़ में हम एक सच्चाई भूल जाते हैं—कक्षा 2, 3 या 4 के अंक किसी को याद नहीं रहते। जो जीवन भर साथ रहता है, वह है बचपन में बना कॉन्सेप्ट, आत्मविश्वास और जिज्ञासा।

Brilliant Public School में हमारा दृढ़ विश्वास है कि केवल अंकों के पीछे भागना शिक्षा नहीं है। अंक अस्थायी होते हैं, लेकिन अवधारणाएँ स्थायी होती हैं। जो बच्चा क्यों समझता है, वह उस बच्चे से कहीं अधिक मजबूत होता है जो केवल क्या रटता है। इसी सोच के साथ हमारा स्कूल अनुभवात्मक शिक्षण (Experiential Learning) और करके सीखने (Learning by Doing) पर विशेष ध्यान देता है—जो 21वीं सदी की शिक्षा की वास्तविक आवश्यकता है। जब बच्चे गतिविधियों, प्रयोगों, अवलोकन और खोज के माध्यम से सीखते हैं, तो ज्ञान केवल कॉपी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उनकी सोच का हिस्सा बन जाता है।

शुरुआती स्कूल वर्ष बच्चे के जीवन का सबसे संवेदनशील और प्रभावशाली समय होता है। इस दौरान बनने वाली आदतें, विकसित होता आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और सीखने की खुशी उनके पूरे भविष्य को आकार देती है। आज दबाव में अंक लाने वाला बच्चा सफल दिख सकता है, लेकिन खुश बच्चा जीवन भर सफल रहता है।

माता-पिता के लिए एक विनम्र संदेश:

- अपने बच्चे की तुलना दूसरों से न करें।
- उसकी कीमत अंकों से न आँकें।
- दबाव के नाम पर उसके बचपन की खुशी न छीनें।





**हर बच्चे को उसकी अपनी गति से खिलने दीजिए—हर बच्चा अनोखा होता है और हर फूल अपने समय पर खिलता है।**

जिस बच्चे को प्रोत्साहन मिलता है, वह आत्मविश्वासी बनता है।

जिस बच्चे पर दबाव डाला जाता है, वह भयभीत हो जाता है।

जिस बच्चे को सहयोग मिलता है, वह मज़बूत बनता है।

जिस बच्चे पर अत्यधिक बोझ डाला जाता है, वह चुपचाप टूट जाता है।

अपने बच्चे को सीखने, खोजने और आनंद लेने की स्वतंत्रता का उपहार दीजिए।

उसे असफल होने, फिर प्रयास करने और अपनी शैली में सफल होने का अवसर दीजिए।

उसे यह विश्वास दीजिए कि वह कागज़ पर लिखे किसी अंक से कहीं बढ़कर है।

क्योंकि अंत में, खुश बच्चा उस बच्चे से कहीं अधिक उपलब्धियाँ हासिल करता है जो केवल दबाव में पाला गया हो।

**अवधारणाएँ भविष्य बनाती हैं, अंक नहीं।**

आइए, रैंक होल्डर नहीं—सोचने वाले बच्चे तैयार करें।

आइए, तनावग्रस्त नहीं—आत्मविश्वासी शिक्षार्थी तैयार करें।

आइए, नंबर नहीं—इंसान तैयार करें।

**ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल आपके साथ खड़ा है— ऐसी पीढ़ी के निर्माण के लिए जो खुशी से सीखती है, आत्मविश्वास के साथ बढ़ती है और स्पष्ट सोच के साथ सफलता हासिल करती है।**